ओम् शान्ति 30-8-16 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति लाडले, सदा बेहद सेवाओं के उमंग उत्साह में रहने वाली निमित्त टीचर्स बहिनें तथा ग्राम विकास प्रभाग की सेवाओं में सदा व्यस्त रहने वाले प्रभाग के सभी सदस्य भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - आप सबको ज्ञात होगा कि मेहसाना के गॉडली पैलेस में 28-29 अगस्त को दो दिन की एक छोटी मीटिंग कृषि अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक जो ब्रह्माकुमार/कुमारी हैं, तथा ग्राम विकास प्रभाग के अधिकारियों के लिए रखी गई थी। जिसमें भिन्न-भिन्न स्थानों से करीब 50 भाई बहिनें उपस्थित हुए। दो दिन के दौरान ग्राम विकास तथा कृषि के क्षेत्र में सेवाओं की धूम मचाने के लिए बहुत अच्छी उमंग-उत्साह भरी प्लैनिंग की। जो भी विचार निकले, उनका सारांश इस प्रकार है:-

यह मीटिंग समूह रूप में तथा दो अलग-अलग ग्रुप में भी चली:-

ग्राम विकास की सेवाओं के लिए एक नया प्रोजेक्ट बनाया गया, जिसकी विस्तृत रूप रेखा शीघ्र ही आपके पास भेजी जायेगी। उसका शीर्षक था "**गांव का विकास, सद्भावना के साथ**"। रचनात्मक संगठनों का निर्माण एवं सामाजिक सामंजस्य स्थापित करना योजना का उद्धेश्य है। इसमें निम्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई:

1. विज्ञान एवं तकनीकी के साथ मानव मूल्यों का तालमेल स्थापित करना।
2. व्यसनमुक्ति, अन्धश्रद्धा, कुरीति तथा कुरिवाजों का निर्मूलन।
3. एकता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता से सर्व समस्याओं का समाधान।
4. प्रकृतिक संसाधनों के विकास के साथ मानवीय संसाधनों का विकास।
5. ग्रामीण व्यवस्था में जन, जंगल,जल, जमीन तथा जानवरों के विकास केलिए :
   - पंचायत तथा ग्रामीण कार्यकर्ताओं का सशक्तिकरण , ग्राम विकास में बच्चों का हाथ और साथ, संपूर्ण ग्राम विकास में महिलाओं का अमूल्य योगदान, युवा का विकास ग्रामीण संसाधनों के साथ तथा किसान गाँव की शान।
   - ग्रामीण समृद्धि में पशुधन का महत्व
   - पर्यावरण सुरक्षा द्वारा सच्ची स्वरक्षा

कृषि वैज्ञानिकों ने विशेष कृषि क्षेत्र में यौगिक खेती को और बढ़ावा देने, भिन्न-भिन्न युनिवर्सिटीज वा कृषि विज्ञान केन्द्रों में अनुसंधान करने की योजना बनाई तथा आगामी अक्टूबर मास में विज्ञान भवन में होने वाली कान्फ्रेन्स को सफल बनाने के लिए विचार विमर्श किया।

ग्रामीण युवा सशक्तिकरण के अन्तर्गत ''बैक टु बेसिक्स'' कार्यक्रम को भी रूप दिया गया:-

कई युवा भाई जो पहले बहुत अच्छी नौकरी करते थे, गांव से शहर की ओर चले गये थे। उसमें कई वापस अपने गांव में आकर भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यवसाय कर रहे हैं, खेती में भी नवीनीकरण द्वारा अच्छी सफलता प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे युवा जो बी.के. सेवाकेन्द्रों से जुड़े हुए हैं, पहले नौकरी करते थे, अभी वे अपने गांव में आकर खेती वा अन्य कोई व्यवसाय कर रहे हैं।

आयु की सीमा - 18 वर्ष से 45 वर्ष, उन ग्रामीण युवाओं का विशेष संगठन किया जाएगा। अत: आप सबसे विशेष अनुरोध है कि उनका नाम, आयु, व्यवसाय, मोबाईल, ईमेल,गांव का नाम, सेवाकेन्द्र का नाम, ज़ोन का नाम उपरोक्त जानकारी लिखकरआप शीघ्र ही हैदराबाद मीरपेट सेवाकेन्द्र पर सुनीता बहन के पास भेजने का कष्ट करें, ताकि उनके लिए एक अच्छा सा संगठन वा मीटिंग किसी स्थान पर की जा सके।

हैदराबाद सुनीता बहन का फोन नं. 9490745839 ईमेल : bk.meerpet@gmail.com

अच्छा - सभी को याद...

ईश्वरीय सेवा में,

बी के राजू भाई

बी के सरला बहन